which have been started under operation Black Board in the country;

(b) the reasons for which such schools are not functioning; and

(c) the measures Government propose to take to make them functional?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF EDUCATION AND DEPARTMENT OF CULTURE) (KUMARI SELJA) : (a) The scheme of Operation Black Board does not envisage opening of new schools.

(b) and (c) Does not arise.

Protection of Historical Monuments From Earthquake

1649. SHRI SHIV PRATAP MISHRA : Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state :—

(a) whether it is a fact that historical monuments in the country are seriously affected by the earthquakes and their beauty is deteriorating day by day; and

(b) if so, what steps Government have taken to protect the historical monuments?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF EDUCATION AND DEPARTMENT OF CULTURE) (KUMARI SELJA) : (a) No Sir.

(b) Does not arise.

सहारनपुर में महिला को निर्वस्त्र किये जाने के संबंध में राष्ट्रीय आयोग द्वारा कार्यवाही किया जाना

1650. **श्री रंजन प्रसाद यादव** : क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सहारनपुर जिले की एक महिला को निर्वस्त्र किया गया और उन्हें न्यायालय से बाहर निकालकर पीटा गया;

(ख) क्या महिलाओं संबंधी राष्ट्रीय आयोग को इस मामले की जानकारी है; और

(ग) यदि हाँ, तो इस संबंध में आयोग किस निष्कर्ष पर पहुंचा है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (महिला एवं बाल विकास विभाग) में राज्य मन्त्री (श्रीमती वासवा राजेश्वरी) : (क) से (ग) यह बताया गया है कि एक महिला को सहारनपुर में न्यायालय के बाहर तथाकथित रूप से निर्वस्त्र किया गया था । राष्ट्रीय महिला आयोग ने इस मामले की जाँच करनी आरम्भ कर दी है ।

मध्य प्रदेश में किया गया भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

1651. **श्री शिव प्रसाद चनपुरिया** : क्या **खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने मध्य प्रदेश के किन-किन जिलों में लौह, अयस्क, तांबा, मैगनीज, पैट्रोलियम, कोयला, एल्युमिनियम और जस्ते की खोज के लिए सर्वेक्षण किया है;

(ख) इस सर्वेक्षण के अनुसार किन-किन स्थानों पर उक्त खनिजों में से कौन-कौन से खनिज प्राप्त होने की संभावनाओं का पता चला है;

(ग) क्या भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा बताये गये खनिजों को निकालने/खनन का कार्य प्रारंभ किया गया है; और

(घ) यदि हां, तो सरकारी तथा गैर-सरकारी कंपनियों द्वारा किये गये उत्खनन/खनन कार्य का ब्यौरा क्या है ?

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बलराम सिंह यादव) : (क) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जी०एस०आई०) ने मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में निम्नलिखित खनिजों के लिए सर्वेक्षण और गवेषण किया है :—

लौह अयस्क : बस्तर, दुर्ग तथा जबलपुर जिले ।

मैगनीज : बालाघाट, छिन्दवाड़ा, जबलपुर, झबुआ तथा खारगोन जिले ।

तांबा : बालाघाट, बस्तर, छतरपुर, ग्वालियर और सिंधी जिले ।

कोयला : बेतुल, बिलासपुर, छिन्दवाड़ा, रायगढ़, शहडोल, सिंधी और सरगुजा जिले ।

एल्युमिनियम : बालाघाट, शहडोल, बिलासपुर, रायगढ़, जबलपुर, मान्डला, सरगुजा तथा रीवा जिले ।

जस्ता: जिला बेतूल ।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण देश में पैट्रोलियम के लिए गवेषण नहीं करता है ।

(ख) से (घ) पहले प्रमाणित किए गए आर्थिक रूप से लाभप्रद निक्षेपों के आधार पर, बस्तर जिले में बेलाडिला और डाली-राझोरा क्षेत्र में लौह अयस्क; बालाघाट और छिन्दवाड़ा जिलों में बालाघाट, उकवा तथा तिरोडी क्षेत्र में मैगनीज; बालाघाट जिले में मलंजखंड क्षेत्र में तांबा; बेतुल जिले में पथखेड़ा, शाहपुर, बिलासपुर जिले में कोरबा, छिन्दवाड़ा जिले में पेन्च-कन्हान बैली-पारासिया, शहडोल जिले में सोहागपुर-उमरिया, सिंधी जिले में सिंगरोली, सरगुजा जिले में बिशरामपुर-चिरमीरी में कोयला तथा जबलपुर जिले में कटनी, मान्डला और शहडोल जिलों में अमरकंटक तथा बिलासपुर

जिले में कोरबा में बाक्साइट (एल्यूमिनियम का अयस्क) के लिए खनन आरंभ किया गया है।

भारत एल्यूमिनियम कंपनी लि० (बाल्को) सरगुजा जिले में मैनपत स्थित निक्षेपों में बाक्साइट खान का विकास करना आरंभ कर दिया है। कंपनी की राजनन्दगांव के निक्षेपों का विकास करने की योजना भी है।

हाल ही में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बेतुल जिले में खेरली बाजार क्षेत्र में 6.48% जस्ता युक्त 0.85 मिलियन टन जस्ता अयस्क और जबलपुर जिले में इमालिया क्षेत्र में सीसा और चांदीयुक्त 0.98% तांबा अंश वाले 0.81 मिलियन टन तांबा अयस्क के संभावित भंडार का अनुमान लगाया है। अभी तक ये निक्षेप विदोहन के लिए तकनीकी-आर्थिक दृष्टि से लाभप्रद नहीं पाए गए हैं।

बिहार का अभ्रक उद्योग

1652. **श्री कामेश्वर पासवान** : क्या **खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में लोकप्रिय बिहार का अभ्रक उद्योग बंद होने के कगार पर है और अधिकतर खानें बंद हो चुकी हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि भारतीय अभ्रक व्यापार निगम (मिटको) ने इस उद्योग को कोई विशेष लाभ नहीं पहुंचाया है बल्कि इसके विपरीत भारत सरकार को 988 करोड़ रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा से हाथ धोना पड़ा है;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और इस संबंध में ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार इस उद्योग को इस स्थिति में उबारने के लिये क्या कदम उठायेगी; और

(ङ) अभ्रक उद्योग के उत्थान के लिये गठित उच्च अधिकार प्राप्त समिति द्वारा इस संबंध में क्या-क्या सिफारिशें की गई थीं और इस समिति की सिफारिशों पर सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अलराम सिंह यादव) : (क), (घ) और (ङ) देश में अभ्रक उद्योग संश्लिष्ट प्रतिस्थापनों द्वारा अभ्रक का स्थान लिए जाने के कारण समस्याओं का सामना कर रहा है, जिससे उसकी मांग पर प्रभाव पड़ा है। इन समस्याओं को समाप्त करने के लिए किए गए उपाय हैं : बेहतर कीमत सुनिश्चित करने के लिए अभ्रक स्क्रैप की खरीद नीति में सुधार करना; मूल्य वर्धित अभ्रक आधारित उत्पादों का उत्पादन करने वाले उद्योगों को प्रोत्साहन देना; उच्च अधिकार प्राप्त समिति का गठन। इस समिति की मुख्य सिफारिशों में अन्य के अलावा, मिटको प्रबंध-मंडल का पुनर्गठन और उसे पुक्ति-संगत बनाना, निर्यातों के लिए प्रोत्साहन देना, पट्टा अवधि की सुनिश्चितता, अभ्रक का वैज्ञानिक खनन तथा न्यूनतम निर्यात कीमतों में वृद्धि करना शामिल है। यद्यपि मिटको का मामला बी०आई०एफ०आर० को भेजा गया है इसलिए राज्य सरकार को सलाह दी गई है कि वह खनन पट्टे के नवीकरण के काम को शीघ्रता से निपटाये। अभ्रक स्क्रैप को छोड़कर अभ्रक का निर्यात विसरणीकृत किया गया है।

(ख) जी नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

बेन्टोनाइट का उत्पादन

1653. **श्री सतीश प्रधान** : क्या **खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि :

(क) देश में बेन्टोनाइट की कुल क्षमता कितनी है ;

(ख) बेन्टोनाइट का इस समय राज्य-वार कुल कितना उत्पादन होता है; और

(ग) गत एक वर्ष के दौरान कुल कितनी मात्रा में बेन्टोनाइट का निर्यात किया गया और इसके निर्यात से कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित हुई ?

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अलराम सिंह यादव) : (क) 1-4-1990 की स्थिति के अनुसार देश में बेन्टोनाइट के कुल स्थानिक **भंडार** 369.40 मिलियन टन हैं।

(ख) बेन्टोनाइट का राज्य-वार कुल उत्पादन इस प्रकार है :

मात्रा टन में

राज्य	1989-90	1990-91
बिहार	2,000	7,880
गुजरात	182,742	204,124
राजस्थान	61,600	30,200

(ग) 1991-92 में कुल 76,857 टन बेन्टोनाइट का निर्यात किया गया और उससे 5.40 करोड़ रु० की विदेशी मुद्रा अर्जित हुई।

सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा खानों का सर्वेक्षण

1654. **श्री अजीत जोगी**
चौधरी हरि सिंह :

क्या **खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि :

(क) देश में खानों में खनन और सर्वेक्षण कार्य में लगे सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों का ब्यौरा क्या है ;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान इस पर प्रतिवर्ष किये गये व्यय का ब्यौरा क्या है :